अभ्यास पत्रक

पाठ: 7 - मत बाँधो

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) मुक्त गगन में विचरण करके सपना किनमें मिल जाएगा?

(क) बादलों में (ख) तारों में (ग) किरणों में (घ) पक्षियों में

(ii) सपना बादलों (मेघों) से क्या लेकर धरती पर आएगा?

(क) दीप्ति (चमक) (ख) पानी (ग) रंग (घ) शिल्प

(iii) सपना धरती (भूमि) को क्या बनाना सिखाएगा?

(क) घर (ख) स्वर्ग (ग) इंद्रधनुष (घ) तारे

(iv) कवयित्री सपनों को किससे न बाँधने का आग्रह करती हैं?

(क) आकाश से (ख) तारों से (ग) धरती से (घ) बादलों से

(v) महादेवी वर्मा को किस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया था?

(क) साहित्य अकादमी पुरस्कार (ख) पद्मश्री

(ग) भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार (घ) पद्म विभूषण

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) सपना कहाँ विचरण करेगा?

उत्तर- .....

(ii) सपना किरणों से क्या लेगा?

उत्तर- .....

(iii) 'भू' का कविता में क्या अर्थ है?

उत्तर- .....

(iv) स्वर्ग बनाने की कला (शिल्प) किसे सिखाई जाएगी?

उत्तर- .....

(v) कविता का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "मुक्त गगन में विचरण कर यह तारों में फिर मिल जायेगा" - इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) 'स्वर्ग बनाने का शिल्प' से कवयित्री का क्या तात्पर्य है?

उत्तर- .....

.....

(iii) कविता में सपनों की यात्रा का अंतिम लक्ष्य क्या है?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) कविता के दूसरे भाग के अनुसार, जब सपनों को स्वतंत्र छोड़ दिया जाता है तो वे धरती के लिए क्या-क्या लेकर लौटते हैं और उससे क्या सकारात्मक परिवर्तन आता है? विस्तार से समझाइए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) तारों में

(ii) (ग) रंग

(iii) (ख) स्वर्ग

(iv) (ग) धरती से

(v) (ग) भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) सपना मुक्त गगन (आकाश) में विचरण करेगा।

(ii) सपना किरणों से दीप्ति (चमक या प्रकाश) लेगा।

(iii) 'भू' का कविता में अर्थ धरती या भूमि है।

(iv) स्वर्ग बनाने की कला (शिल्प) भूमि (धरती) को सिखाई जाएगी।

(v) कविता का मुख्य संदेश सपनों को स्वतंत्र रखने और उनकी उड़ान को न रोकने का है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) इन पंक्तियों का भाव है कि जब सपनों को आज़ाद छोड़ दिया जाता है, तो वे कल्पना के आकाश में ऊँची से ऊँची उड़ान भरते हैं और तारों जैसी ऊँचाइयों को छू लेते हैं। इसका अर्थ है कि सपने असीम संभावनाओं तक पहुँच सकते हैं।

(ii) 'स्वर्ग बनाने का शिल्प' से कवयित्री का तात्पर्य एक ऐसे समाज या दुनिया के निर्माण की कला से है जो सुख, शांति, सद्भाव और सुंदरता से परिपूर्ण हो। यह एक आदर्श और बेहतर दुनिया बनाने की रचनात्मक कला है।

(iii) कविता में सपनों की यात्रा का अंतिम लक्ष्य केवल कल्पना में उड़ते रहना नहीं, बल्कि आकाश से नए विचार, रंग और चमक लेकर वापस धरती पर लौटना और इस धरती को स्वर्ग जैसा सुंदर बनाना है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) कविता के दूसरे भाग के अनुसार, जब सपनों को स्वतंत्र छोड़ दिया जाता है, तो वे कल्पना के आकाश में ऊँची उड़ान भरते हैं। वे वहाँ बादलों से 'रंग' और सूरज की किरणों से 'दीप्ति' (चमक और ऊर्जा) लेकर वापस धरती पर लौटते हैं। इसका प्रतीकात्मक अर्थ है कि स्वतंत्र सपने जब ऊँची कल्पना करते हैं, तो वे नए-नए विचार (रंग) और नया ज्ञान व प्रेरणा (दीप्ति) प्राप्त करते हैं। जब यह ज्ञान और रचनात्मकता से भरा सपना वापस धरती पर आता है, तो वह एक सकारात्मक परिवर्तन लाता है। वह धरती को "स्वर्ग बनाने का शिल्प" सिखाता है। अर्थात्, उन नए विचारों और प्रेरणा से पृथ्वी पर एक बेहतर, सुंदर, सामंजस्यपूर्ण और सुखद समाज का निर्माण होता है। इस प्रकार, स्वतंत्र सपने केवल कल्पना नहीं रह जाते, बल्कि वे धरती को बदलने और उसे स्वर्ग समान बनाने की शक्ति रखते हैं।